ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, शुक्रवार 31 मई 2024

वर्ष 1 अंक 90

8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग कल:वाराणसी से PM मोदी मैदान में; कंगना, रवि किशन, पवन सिंह समेत 4 एक्टर भी चुनाव लड़ रहे

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और अंतिम फेज में शनिवार (1 जून) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों में से सबसे ज्यादा भाजपा 25, TMC 9, बीजद 4, JDU और अपना दल (एस) 2-2, JMM महज 1 सीट जीत सकी थी। कांग्रेस को केवल पंजाब की बदौलत 8 सीटों पर जीत मिली थी। इस फेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 2 केंद्रीय मंत्री आरके सिंह और अनुराग ठाकुर मैदान में हैं। 4 एक्टर-कंगना रनोट, रवि किशन, पवन सिंह, काजल निषाद भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, अफजाल अंसारी, विक्रमादित्य सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के सातवें फेज में 904 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 809 पुरुष और 95 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी बठिंडा, पंजाब से उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल हैं। उनके पास 198 करोड़ रुपए की संपत्ति है। गुजरात में सूरत से भाजपा के उम्मीदवार रहे मुकेश दलाल निर्विरोध चुनाव जीत चुके हैं, इसलिए वोटिंग 542 सीटों पर ही हो रही है।

199 कैंडिडेट्स पर क्रिमिनल केस, 155 ने किए हत्या-किडनैपिंग जैसे गंभीर अपराध

ADR की रिपोर्ट के मुताबिक, 199 कैंडिडेट ऐसे हैं, जिन पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। वहीं 155 उम्मीदवार ऐसे भी हैं, जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 13 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है।

4 उम्मीदवारों पर हत्या और 21 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 27 उम्मीदवारों पर दर्ज हैं। 3 उम्मीदवारों के खिलाफ दुष्कर्म (IPC-376) का केस दर्ज है। वहीं, 25 कैंडिडेट्स पर भड़काऊ भाषण देने का केस दर्ज है।

जेट/प्री.पी.जी. एवं पी.एच.डी प्रवेश परीक्षा 2 जून को

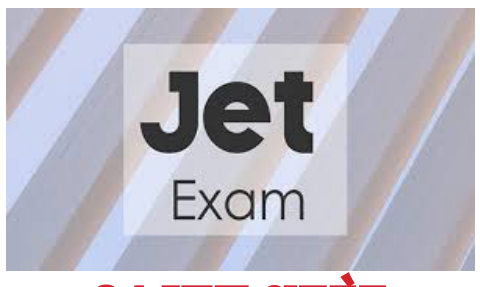

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। प्रदेश के कृषि महाविद्यालयों, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, मात्स्यकी महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय एवं डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय जेट/प्री.पी.जी. एवं पी.एच.डी. प्रवेश परीक्षा दिनॉक 02 जून 2024 रविवार को आयोजित की जावेगी । यह परीक्षा सत्र 2024-25 में प्रवेश हेतु कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित की जा रही है । शहर समन्वयक डॉ0 लोकेश गुप्ता, अधिष्ठाता राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर ने बताया कि यह प्रवेश परीक्षा उदयपुर शहर के 15 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है, जिसमें स्नातक परीक्षा हेतु 6888 परीक्षार्थी प्रातः 11.00 बजे से दोपहर बाद 01.10 बजे तक भाग लेगें । इन केन्द्रों पर परीक्षा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से निष्पादित करने हेतु विश्वविद्यालय प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय निरीक्षक उपलब्ध रहेगें । प्रो0 अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने बताया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो व योग्य अभ्यर्थी सुचारू रूप से परीक्षा दे सकें इसके लिये सामान्य एवं विशिष्ठ अधिकार प्राप्त उड़नदस्तों का गठन किया गया है । परीक्षा के दौरान सभी केन्द्रों पर विडियोग्राफी भी करवाई जावेगी, जिससे परीक्षा की पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे ।

जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार:याचिका में अपील- हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश को ज्यादा पानी छोड़ने कहें

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. जल संकट से जूझ रही दिल्ली के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। शुक्रवार 31 मई को दाखिल की गई याचिका में केजरीवाल सरकार ने अपील की है कि कोर्ट हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश से एक महीने के लिए एक्स्ट्रा पानी देने के लिए निर्देश दे। दिल्ली सरकार ने कहा है कि गर्मी की वजह से शहर में पानी की मांग काफी बढ़ गई है और पड़ोसी राज्यों को एक महीने के लिए और ज्यादा पानी देने का निर्देश दिया जाना चाहिए। राजधानी में पानी की बहुत ज्यादा कमी है और जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी भाजपा से अपील की है कि वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश में अपनी सरकारों से एक महीने के लिए पानी देने के लिए कहे। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार की तरफ से लगाई याचिका में ये भी कहा गया है कि मौजूदा जल संकट के चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बेहतर जिंदगी जीने अधिकार का उल्लंघन करता है। इसके चलते लोगों को पीने का साफ पानी भी नहीं मिल पा रहा है।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल-प्रज्वल 6 जून तक SIT की कस्टडी में

35 दिन बाद भारत वापसी, बेंगलुरु एयरपोर्ट पर अरेस्ट हुए; पोटेंसी टेस्ट कराने पर विचार

24 न्यूज अपडेट

बेंगलुरु. कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के मुख्य आरोपी सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु कोर्ट ने शुक्रवार (31 मई) को 6 दिन की SIT की कस्टडी में भेजा है। वे गुरुवार रात 35 दिन बाद जर्मनी से भारत पहुंचे थे।

बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड होने के बाद रात करीब 1 बजे SIT ने उन्हें कस्टडी में लिया था। प्रज्वल को टीम CID ऑफिस ले गई, जहां उन्हें रातभर रखा गया था। प्रज्वल को गिरफ्तार करने के लिए महिला पुलिस भेजी गई थी।

गिरफ्तारी के बाद आज सुबह पूछताछ से पहले SIT प्रज्वल को बॉरिंग और लेडी कर्जन हॉस्पिटल में मेडिकल के लिए ले जाया गया था। वहीं, उनके वकील अरुण भी CID ऑफिस में मौजूद रहे थे। मेडिकल के बाद प्रज्वल को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। SIT प्रज्वल का पोटेंसी टेस्ट कराने पर भी विचार कर रही है। पोटेंसी टेस्ट यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि रेप का आरोपी सेक्शुअल हमला कर सकता है या नहीं। उधर, SIT ने प्रज्वल की मां भवानी रेवन्ना से पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। टीम ने ने उन्हें 1 जून को होलेनरसीपुर में अपने घर पर मौजूद रहने कहा है।

प्रज्वल हासन लोकसभा सीट से JDS के उम्मीदवार हैं। उनके खिलाफ 3 महिलाओं से यौन उत्पीड़न के 3 मामले दर्ज हैं। वे 26 अप्रैल को वोटिंग के बाद जर्मनी चले गए थे।

चिकित्सा विभाग का दावा: हीट वेव से प्रदेश में अब तक 5 मरे, अकेले एसएमएस में 4 मौतें

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. हीट वेव से प्रदेश में लगातार हालात बिगड़ रहे हैं और हीट वेव से मौतों के आंकड़ों में भी बढ़ोतरी हो रही है. इसके साथ ही बड़ी संख्या में मरीज हर दिन अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं. प्रदेश में हीट वेव से हो रही मौतों को लेकर चिकित्सा विभाग ने एक स्टेटमेंट भी जारी किया है. विभाग के अनुसार हीट वेव से अब तक प्रदेश में 5 मौतें हुई हैं । इनमें अकेले 4 एसएमएस अस्पताल में हुई हैं और एक अन्य अजमेर में. चिकित्सा विभाग के बयान में में निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ रवि प्रकाश माथुर ने कहा है कि विभिन्न मीडिया माध्यमों में हीट वेव से मौतों की जो संख्या प्रकाशित या प्रसारित की जा रही हैं, वे तथ्य से परे हैं. क्योंकि हीट वेव से होने वाली मौतों के प्रमाणिक आंकड़े चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा ही जारी किए जा रहे हैं. यह आंकडे भारत सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार डेथ ऑडिट कमेटी द्वारा मौत के कारणों की जांच कर जारी किए जाते हैं. उन्होंने कहा है कि डेथ ऑडिट कमेटी हीट स्ट्रोक से संदिग्ध मौतों की जांच भारत सरकार द्वारा निर्धारित पैरामीटर्स के अनुसार करती है. इन पैरामीटर्स के अनुसार यदि कोई मौत हीट स्ट्रोक से पाई जाती है, तो उसे प्रमाणित कर उसकी रिपोर्ट आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड की जाती है. आईएचआईपी पोर्टल पर जारी आंकडे ही प्रमाणिक हैं. उन्होंने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार तेज गर्मी के दौरान गंभीर बीमारियों एवं अन्य कारणों से भी मौतें हो जाती हैं. प्रोटोकॉल के अनुसार उन्हें हीट स्ट्रोक से होना नहीं माना जा सकता ।

मोदी के ध्यान के खिलाफ तमिलनाडु कांग्रेस हाईकोर्ट पहुंची:विवेकानंद रॉक के ध्यानमंडपम से PM की तस्वीरें सामने आईं, 1 जून तक यहीं रहेंगे

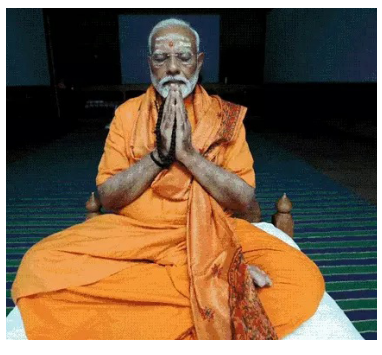

24 न्यूज अपडेट

कन्याकुमारी. PM मोदी का कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान करने का शुक्रवार को दूसरा दिन है। सुबह उनके ध्यान करने की तस्वीरें सामने आईं। वे भगवा चोला, हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाए दिखे। उन्होंने सूर्य को अर्घ्य दिया, मंदिर की परिक्रमा की और ध्यान मुद्रा में बैठे। PM एक जून सुबह 10 बजे तक विवेकानंद रॉक मेमोरियल में रहेंगे। उधर विपक्ष मोदी के ध्यान को आचार संहिता का उल्लंघन बता रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि PM अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। PM गुरुवार शाम को कन्याकुमारी पहुंचे थे। सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूजा के दौरान मोदी ने सफेद मुंडु (दक्षिण भारत का एक परिधान) और शॉल पहना था। पुजारियों ने उनसे विशेष आरती कराई। प्रसाद, शॉल और देवी की तस्वीर दी।

कांग्रेस की याचिका में कहा- यह वोट पाने की कोशिश है, कार्रवाई हो तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने मद्रास हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि प्रधानमंत्री की विवेकानंद रॉक यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता है, लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के 7वें फेज के कूलिंग पीरियड के दौरान उनकी यात्रा हिंदू भावनाओं को भड़काने और अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके वोट हासिल करने की कोशिश है। इसलिए इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उधर, मोदी के कन्याकुमारी दौरे को लेकर एक संगठन थंगथाई पेरियार द्रविड़र कड़गम ने गुरुवार को मदुरै में प्रधानमंत्री के विरोध में काले झंडे दिखाए। इसी संगठन ने X पर #गोबैकमोदी (मोदी वापस जाओ) पोस्ट किया है।

संपादकीयः संकट का तापमान

इस वर्ष की गर्मी जिस रूप में आई है, उसकी आशंका पिछले कई महीने से जाहिर की जा रही थी। मगर इस तरह के पूर्वानुमानों की सार्थकता तभी है जब किसी संकट की स्थिति से निपटने के लिए तैयारी भी साथ-साथ की जाए। विडंबना यह है कि विज्ञान की उपलब्धियों के सहारे अथ आने वाले दिनों के मौसम को लेकर कई बार सटीक अनुमान तो लगा लिए जाते हैं, लेकिन उसके मुताबिक जरूरी कदम उठाने के लिए न तो सरकारों को कोई ठोस पहल करते देखा गया और न ही आम जनता इसके प्रति सचेत होती है या अपने स्तर पर कोई सावधानी बरतती है। यह बेवजह नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गर्मी का मौसम एक तरह से कहर ढा रहा है और लोग इसे झेलने पर मजबूर हैं। चिलचिलाती धूप और लू को मार से बचने के लिए लोगों को अब अतिरिक्त इंतजाम करना पड़ रहा है। कई जगहों पर लू की वजह से कुछ लोगों की मौत हो जाने के अलावा बिहार में कई स्कूली बच्चों के बीमार पड़ने की खबरें आईं। पारा किस कदर ऊपर की ओर चढ़ रहा है, उसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि गर्मी से उपजी परेशानी अब हादसों और पेयजल तक के संकट के रूप में बदल रही है। गौरतलब है कि बुधवार को राजधानी दिल्ली में मुंगेशपुर इलाके में तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और दिल्ली सहित कई राज्यों में इसका असर अब जनजीवन बाधित होने के तौर पर भी सामने आ रहा है। दिल्ली में अब तक दर्ज किया गया यह सबसे ज्यादा तापमान है और इरस्से अस्सी वर्ष पहले का वह रिकार्ड टूटा है, जब 29 मई को तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इसके अलावा, पंजाब और हरियाणा सहित उत्तर-पश्चिम भारत के कई शहर लू की चपेट में है और उन इलाकों के लिए मौसम विभाग को लाल चेतावनी जारी करनी पड़ी। यानी कि जिस तरह की गर्म हवाएं चल रही हैं, उससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होने का खतरा है। हालांकि बुधवार को ही शाम में मौसम ने करवट बदली और आंधी के साथ कुछ इलाकों में वारिश भी हुई, जिससे राहत के आसार बने, लेकिन तापमान और गर्मी का जैसा रुख बना हुआ है, उसके मद्देनजर आने वाले कुछ दिन संवेदनशील हो सकते हैं और लोगों को हर स्तर पर सावधानी बरतने की जरूरत है। मुश्किल यह है कि जिस समय कुदरत की मार से उपजे संकट का सामना करने के लिए आम लोगों को सतर्क होना चाहिए और सरकार की ओर से हर जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए, वैसे में अलग-अलग राज्यों के बीच एक विचित्र से खींचतान शुरू हो जाती है। दिल्ली सरकार की ओर यह आरोप लगाया गया कि भीषण गर्मी से उपजे पेयजल संकट के बीच हरियाणा दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं दे रहा है। इस मसले पर दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाने की भी बात कही। सवाल है कि प्रकृति के कोप से उपजे हालात से निपटने के लिए सथको साथ मिल कर कोई रास्ता या फिलहाल मुश्किल का तुरंत कोई हल निकालना चाहिए या आम लोगों के सामने उपजे पीने के पानी तक के संकट के समय टकराव का रास्ता अख्तियार करना चाहिए? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पर्यावरण में बढ़ते तापमान की वजह से जी स्थितियां पैदा हो रही है, उससे सामूहिक प्रयासों और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरिए ही निपटा जा सकता है। ऐसे में मौसम के रुख और बदलते जलवायु की अनदेखी करना और संकट के समय खींचतान करना संकट को और जटिल बनाएगा।

जानलेवा सफाई

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि आधुनिक तकनीकी के जरिए जटिल कामों को भी आसान बनाने के इस दौर में कुछ लोगों को सीवर में या फिर शौचालय की इ टंकी में घुस कर उसकी सफाई करने के लिए उतारा जाता है और उनमें से कई मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आकर मारे जाते हैं। गौरतलब है कि राजस्थान के भरतपुर में गुरुवार को शौचालय की टंकी की सफाई करने उतरे दो युवकों का दम घुटने लगा तो उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। उन्हें बचाने के लिए तीन अन्य युवक नीचे उतरे तो वे भी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गए। किसी तरह टंकी का एक हिस्सा तोड़ कर उन सबको बाहर निकाला गया, मगर तीन युवकों की जान चली गई। इसके बाद एक रस्म की तरह सरकार की ओर से मामले की जांच और पीड़ित परिवार को राहत प्रदान करने का निर्देश जारी किया गया, सहानुभूति जताई गई। मगर ऐसी घोषणाओं में शायद ही कभी ऐसी इच्छाशक्ति दिखती है कि सीवर या फिर शौचालय की टंकी की सफाई कराने वालों के जिम्मेदार लोगों को कठघरे में खड़ा किया जाए। यह अफसोसनाक है कि आए दिन सीवर या शौचालय की टंकी की सफाई के दौरान मजदूरों की जान जाने की खबरें आती रहती हैं। पिछले लगभग एक महीने के दौरान सीवर की सफाई के दौरान कम से कम सात मजदूरों के मरने की घटनाएं हुई। आंकड़ों के मुताबिक, हर वर्ष देश में इस तरह सौ से ज्यादा मजदूरों की मौत होती है। दुनिया के विकसित देशों में जहां ऐसे कामों को मशीनों से कराए जाने की व्यवस्था बन चुकी है, वहीं भारत में इस मामले में कानूनों का पालन करने की तो दूर, किसी मजदूर को सीवर में उतारते हुए उन्हें कोई सुरक्षा उपकरण देना भी जरूरी नहीं समझा जाता। किसी मजदूर की मौत की घटना के तूल पकड़ने के बाद प्रशासन की ओर से मुआवजे या राहत की घोषणा होती है, मगर ऐसा कोई उपाय नहीं निकाला जाता कि आगे इस तरह की घटना को पूरी तरह रोका जा सके। आखिर इसके पीछे क्या कारण है कि निर्माण संबंधी भारी कामों में भी आधुनिक तकनीकी और मशीनों का इस्तेमाल किया जाता है, मगर सीवर या शौचालय की टंकी की सफाई के मामले में इस पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा जाता !

सब इंस्पेक्टर का बेटा सोशल मीडिया पर बेच रहा था स्टार कछुआ और गागरोनी तोता, वन विभाग ने किया गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट राजस्थान डेस्क। अवैध रूप से वन्यजीव की तस्करी व बेचान के मामले में वन विभाग कोटा ने एक सब इंस्पेक्टर के बेटे को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 12 स्टार कछुए और चार गागरोनी तोते बरामद किए गए। उस पर स्टार कछुए और गागरोनी तोते अपने पास रखने और बेचने का मामला दर्ज किया गया है। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल बोर्ड दिल्ली की सूचना पर वन विभाग ने यह कार्रवाई की है। टीम ने बताया कि युवक सोशल मीडिया के जरिए ग्राहकों की खोज करता और सौदा होने के बाद जब पैसा मिल जाता था, तब बस के जरिए ट्रांसपोर्ट कर खरीदने वाले व्यक्ति तक पहुंचा देता। अब बस ऑपरेटर के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। वन विभाग कोटा के उपवन संरक्षक अपूर्व कृष्ण श्रीवास्तव ने मीडिया को बताया कि स्टेशन इलाके के डडवाड़ा में चित्तौड़ा फार्म कॉलोनी में यह कार्रवाई हुई। एक एक्टिविस्ट ने वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल बोर्ड दिल्ली से इसकी शिकायत की। उपवन संरक्षक वन्यजीव अनुराग भटनागर और ट्रेनिंग आईएफएस विवेक पांडे के साथ वन्यजीव और वन विभाग टेरिटोरियल की टीम पहुंची थी. जहां पर सब इंस्पेक्टर गोपाल गौतम के बेटे शुभम गौतम को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 12 स्टार कछुए और चार गागरोनी तोते बरामद किए गए हैं। शुभम के पिता गोपाल गौतम पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है और वर्तमान में बारां कोतवाली में पोस्टिंग है। शुभम के मोबाइल में कछुओं और अन्य वन्यजीव बेचने के सबूत मिले हैं. शुभम गौतम को न्यायालय में पेश किया गया. जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस मामले में 3 से लेकर 7 साल तक सजा और 10,000 रुपए के जुर्माने से दंडित करने का प्रावधान है।

फैसला आपका, जिंदगी आपकी... देखें समोकिंग करने वालों के फैंफड़ों का क्या होता है हाल...

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। आज विश्व में तंबाकू निषेध दिवस मनाया जा रहा हैं। इसका उद्देश्य तंबाकू के उपयोग से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जागरूकता पैदा करना हैं। भारत तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक देश है। तंबाकू के उपयोग से भारत में हर साल 13 लाख से अधिक मौतें होने का अनुमान है। भारत के साथ-साथ अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए तंबाकू चबाना एक बड़ी चिंता का विषय है, जबकि धूम्रपान और इलेक्ट्रॉनिक तंबाकू उत्पाद पश्चिमी और यूरोपीय देशों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय हैं। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम "बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना" है. यह भावी पीढ़ियों की सुरक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देता है कि तंबाकू का सेवन कम होता रहे.

गंगू कुण्ड हादसा : लोगों का गुस्सा फूटा, हादसे के समय लाखों की तनख्वाह लेने वाला गार्ड क्यों था नदारद, उसकी भी हो तहकीकात

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। गंगू कुण्ड पर दो लोगों की मौत के बाद समिति और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लोगों ने इसके लिए वहां मौके से नदारद गार्ड को भी दोषी ठहराया है व इसकी जांच की मांग की है। मौके पर जब दोपहर में तीन लोग आए व एक डूबने लगा तो दूसरा उसको बचाने गया, वह भी डूब गया। तीसरा व्यक्ति भाग गया। इस दौरान गार्ड नहीं था। लोगों ने कहा कि गार्ड पर लाखों की तनख्वाह खर्च हो रही है मगरव ह मोबाइल में व्यस्त रहता है या फिर मौके से नदारद रहता है। कुंड की पवित्रता बनी रहनी चाहिए। कई बार अलसुबह व देर रात तक लड़के लड़कियां यहां आकर बैठ जाते हैं। गंगू कुण्ड विकास समिति के कोषाध्यक्ष ने कहा कि समिति के सभी प्रयास सफल रहे मगर प्रशासनिक समिति की ओर से जो प्रयास होने चाहिए थे वे नहीं हो पाने के कारण आज इतना बड़ा हादसा हो गया है। यह कोई पहला हादसा नहीं है। हादसे होते गए, लोग डूबते गए व लगातार कार्रवाई हुई है। इन दिनों यहां पर गार्ड लगा रखा था वो गार्ड कहां पर था प्रशासन उसकी तहकीकात करे, जिम्मेदारी तय करे। भविष्य में भी इस तरह के हादसे रोकने के लिए प्रशासन अपनी ओर से वर्दीधारी गार्ड खड़ा करे ताकि ऐसे हादसे दुबारा नहीं हों। आजकल के बच्चे ओछे होते हैं, अंटशंट बोल जाते हैं। लड़के-लड़कियां सुबह 6 बजे यहां पर आकर बैठ जाते हैं। उनके मां-बाप की आंखें फूट गई है। प्रशासन ध्यान दे भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं घटित हो। यहां विकास होता रहे व पवित्रता भी बनी रहे। एक अन्य स्थानीय निवासी ने कहा कि पुरातत्व विभाग ने गार्ड लगा रखे हैं। गवर्नमेंट लाखों की तनख्वाह दे रही है। गार्ड या तो मोबाइल देखते रहते हैं या फिर मौके पर नहीं रहते। जिसकी नौकरी थी उसकी लाइबिलिटी बनी रहे। इससे पहले भी एक व्यक्ति डूब गया था उसका भी मुआवजे का केस चल रहा है। हमने बार-बार पुरातत्व विभाग को कहा कि गार्ड तैनात रहे। यहां पर रात को 12 बजे तक लड़के-लड़कियां बैठे रहते हैं, कुकृत्य करते रहते हैं।

नाकाबंदी देख कार छोड़ भागा ड्राइवर, तलाशी में मिला 20 लाख का 179 किलो अवैध डोडाचूरा

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़. जिला विशेष टीम व गंगरार थाना पुलिस ने गंगरार थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 179 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा सहित कार जब्त की. जब्त डोडाचूरा की ब्लैक मार्केट में कीमत करीब 20 लाख बताई गई है. जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि शुक्रवार तड़के जिला विशेष टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली कि नया तालाब गांव की तरफ से जवासिया रेलवे फाटक की तरफ आने वाली कार में अवैध डोडाचूरा का परिवहन किया जा रहा है. तत्काल टीम ने जवासिया गांव की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर नाकाबंदी की. सूचना मुताबिक नया तालाब गांव की तरफ से तेज गति में आती हुई सफेद रंग की ईको कार दिखाई दी. कार चालक पुलिस टीम को नाकाबंदी करते देख गाड़ी को चालू हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गया. पुलिस ने कार चालक को काफी तलाशा, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर वह फरार हो गया. जिला विशेष टीम ने गंगरार पुलिस को मामले से अवगत कराया, जिस पर थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक मोती राम जाप्ते सहित मौके पर पहुंचे. गाड़ी की तलाशी लेने पर 9 कट्टों में भरा हुआ 179.300 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा निकला. पुलिस ने अवैध डोडाचूरा व ईको कार को जब्त कर लिया. पुलिस थाना गंगरार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया.

फोन मिलते ही युवक बोला-थैंक्यू इब्राहिम भाई साहब, आप जैसे लोगों से इंसानियत जिंदा है

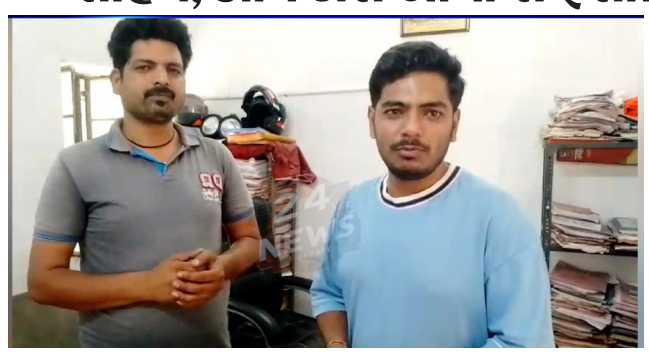

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। फोन खो जाए तो लगता है कि जिंदगी का चैन और सुकून चला गया है। पूरी लाइफ ही ठप हो जाती है। सारे काम रूक जाते हैं। सब कुछ जीरो हो जाता है। इसकी पीड़ा वही समझ सकता है जिसका फोन खोता है। और जब फोन के वापस मिलने की जो खुशी और सुकून है वो शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। दिल से दुआएं निकलती हैं। लेकिन उससे भी बड़ा सुकून है किसी का खोया हुआ फोन वापस लौटाना, वो भी छोटा-मोटा नहीं बल्कि 1 लाख का आईफोन। उदयपुर के एक युवक मोहम्मद इब्राहिम ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए आई फ़ोन को उसके मालिक तक पहुँचाया। बीती रात दूध तलाई पर इब्राहिम को आईफोन मिला था जिसकी कीमत करीब 1 लाख रुपए है। ईमानदार और अल्लाह के सच्चे बंदे मोहम्मद इब्राहिम आज सुबह यह आई फोन को लेकर सूरजपोल थाने पहुंचे। वहां पर मोबाइल मालिक को बुलाया गया। इस दौरान पुलिस के सामने ही ईमानदार युवक ने आई फोन उसके मालिक को सौंप कर खुशियां लुटाते हुए ईमानदारी की मिसाल पेश की। साथ ही वीडियो में हिदायत भी दी कि अपने दूरभाष यंत्र को संभाल कर रखें और आपको कभी किसी का फोन मिले तो इसी तरह से ईमानदारी की मिसाल पेश करें।

प्रवासी महिला अग्रवाल समाज समिति ने रेलवे स्टेशन पर की जल सेवा

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। प्रवासी महिला अग्रवाल समाज समिति के बैनर तले रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को जल सेवा की गईं इस अवसर पर महिला समिति की प्रेरणास्त्रोत वीणा अग्रवाल,अध्यक्ष रमा मित्तल,सचिब संतोष पित्ती ,मुख्य इकाई अध्यक्ष बालमुकुंद पित्ती ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र अग्रवाल, युवा मंत्री लवी ,वैष्णव महिला समिति सचिब रेखा ,धानमंडी सचिब नीतू गुप्ता,,डॉ चंद्रकांता ,सोनाली बंसल,पूनम चंद,कुसुम,मनीता गुप्ता ,निशा गुप्ता,अनुपमा ,ज्ञानेश्वर बंसल,हनुमान प्रसाद जिंदल के डी अग्रवाल एवं समाज जनों ने सेवाएं दी ।

अफीम के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार:पुलिस को देखकर वापस भागने लगे आरोपी, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर की साबला थाना पुलिस ने मुंगेड गांव के पास बाइक सवार 2 युवकों को अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 220 ग्राम अफीम जब्त की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करते हुए आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

साबला थानाधिकारी राकेश कटारा ने बताया कि जिले में एसपी मोनिका सेन के निर्देश पर नशे की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस की ओर से मुंगेड गांव के पास नाकेबंदी की जा रही थी। इस दौरान माकडी गांव की ओर से बाइक पर 2 युवक आए। जिन्हें रुकने का इशारा किया। जिस पर युवक बाइक घुमाकार वापस भागने लगे। पुलिस ने घेरकर दोनों को पकड़ा। वहीं पुलिस ने दोनों युवकों की तलाशी ली तो उनके पास से एक थैली में 220 ग्राम अफीम मिला। जिस पर पुलिस ने अफीम और बाइक को जब्त किया। एनडीपीएस एक्ट में प्रतापगढ़ निवासी भमरिया पुत्र भागला बुझ और चोखा पुत्र भेरिया बरगोट को गिरफ्तार किया। पुलिस अफीम तस्करी के बारे में आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

एसपी बोले- तस्करी नहीं छोड़ोगे तो घर जरूर तोड़ेंगे:तस्करों के तीन मकानों पर चला बुलडोजर; 3 करोड़ की जमीन से हटाया कब्जा

24 न्यूज अपडेट

श्रीगंगानगर. नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले चार तस्करों के तीन घरों पर बुलडोजर चलाया गया। तस्करों ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर ये मकान बनाए थे। जहां कब्जा कर रखा था, उस जमीन की कीमत 3 करोड़ रुपए है। कार्रवाई श्रीगंगानगर में शुक्रवार को की गई। इस दौरान एसपी गौरव यादव ने नशा तस्करों को चेतावनी दी। कहा- तस्करी नहीं छोड़ोगे तो घर जरूर तोड़ेंगे। एसपी ने बताया कि जवाहर नगर थाना इलाके के अशोक नगर बी मोहल्ले में आकाश उर्फ बिल्ला छजगरिया, सोमा छजगरिया पत्नी मंगल, उसका दामाद शेरा छजगरिया और शंटी छजगरिया ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर मकान बना रखे थे। जिसे वे नशीले पदार्थों की तस्करी में काम में ले रहे थे। आरोपी इस जगह को नशे का स्टॉक करने, नशेड़ियों को जगह उपलब्ध करवाने के लिए काम में लेते थे। उन्होंने बताया कि श्रीगंगानगर में युवाओं को नशे के दलदल से बाहर निकालने के लिए स्थानीय स्तर पर 'ऑपरेशन सीमा संकल्प' चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस ने नगर परिषद की टीम के साथ शुक्रवार को इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

आरोपियों पर 22 मामले दर्ज

तस्करी में लिप्त चारों आरोपियों के खिलाफ श्रीगंगानगर जिले के जवाहर नगर, सदर, श्रीकरणपुर, केसरीसिंहपुर और कोतवाली थाने में 22 मामले दर्ज है।

राजकोट गेम जोन हादसे बाद बांसवाड़ा में प्रशासन अलर्ट

शहर की होटल, हॉस्पिटल और मॉल की जांच में NOC नहीं मिली, नोटिस देकर किया पाबंद

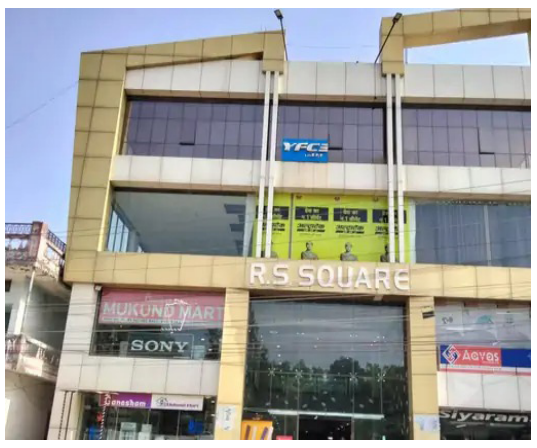

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. बीते दिनों गुजरात के राजकोट शहर में गेम जोन में आग लगने से हुए हादसे के बाद बांसवाड़ा में भी जिला प्रशासन और नगर परिषद प्रशासन ऐक्टिव हो गए हैं और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। नगर परिषद आयुक्त मोहम्मद सुहैल ने बताया कि शहर में स्थित पाला रोड स्थित होटल मनोहर पैलेस। मिशन हॉस्पिटल, दीप मोल, आर एस मोल सहित कई बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। जहां अधिकांश में फायर NOC नहीं मिली। फायर ऑफिसर रमेश पाटीदार द्वारा फायर उपकरण लगे हुए थे या जो कार्यशील अवस्था में नहीं मिले उसको चालू करने के लिए मौके पर पाबंद किया गया। फायर उपकरण नहीं लगे मिले वहां नोटिस देकर पाबंद किया। पाटीदार ने बताया कि श्रद्धा मॉल में फायर सिस्टम रनिंग मोड में नहीं मिले और ना ही फायर सेज जमा कराया। यही स्थिति मनोहर पैलेस होटल, आरएस स्क्वायर मॉल, दीप मॉल में मिली जिन्हें नोटिस दिए गए हैं। सभी को NOC के लिए 10 दिन की मोहलत दी है।

स्वाति मालीवाल केस में बिभव कुमार मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, नेशनल डेस्क। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बिभव कुमार पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मारपीट का आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस ने 18 मई को अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को गिरफ्तार किया था। बिभव की यह गिरफ्तारी तब हुई थी, जब ।।च् की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया था कि 13 मई को जब वह सीएम केजरीवाल से उनके सरकारी आवास पर मिलने गई थीं, तब उनके साथ बिभव कुमार ने मारपीट की थी। स्वाति द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार, बिभव कुमार ने उनकी छाती, पेट और अंदरूनी जगह पर प्रहार किया था। बिभव कुमार के खिलाफ 16 मई को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिसमें महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक धमकी, हमला या आपराधिक बल का प्रयोग तथा गैर इरादतन हत्या का प्रयास शामिल है। इसके बाद से ही बिभव कुमार ने जमानत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने आज बिभव कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली है और मामले को सुरक्षित रख लिया है। बता दें, बिभव कुमार ने अपनी गिरफ्तारी को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इससे पहले जस्टिस नवीन चावला की सिंगल बेंच ने सुनवाई के लिए इस मामले को डच्/डस्। कोर्ट के पास भेज दिया था। एमपी/एमएलए से जुड़े मामलों की सुनवाई जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ करती है। बिभव कुमार की याचिका पर भी यही पीठ सुनवाई कर रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि इस मामले में एक पक्ष राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल हैं। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस स्वर्णकांता की बेंच ने कहा कि पहले याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर फैसला लेना होगा। कुछ देर की सुनवाई के बाद कोर्ट ने मेंटेनेबिलिटी पर फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान बिभव के वकील हरिहरन ने कहा कि इस मामले में जांच अधिकारी को यह देखना चाहिए था कि उसमें गिरफ्तारी की जरूरत है या नहीं, उसके बाद ही उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। जवाब देते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि विभव की याचिका मेंटेनेबल नहीं है।

गोड़वा में पकड़ा लेपर्ड:मासूम के शिकार के घटनास्थल से आधा किमी दूर पिंजरे में हुआ कैद

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद में देलवाड़ा के पास गोड़वा गांव में लेपर्ड द्वारा मासूम का शिकार करने की घटना के दूसरे दिन शुक्रवार को क्षेत्र में एक लेपर्ड पकड़ा गया है। मासूम के शिकार के घटना स्थल से आधा किमी दूर ये लेपर्ड पिंजरे में कैद हुआ है। घटना के बाद राजसमंद व उदयपुर से पहुंची वन विभाग की टीमों ने सतर्कता व मुस्तैदी दिखाते हुए क्षेत्र से एक लेपर्ड को पिंजरे में कैद कर लिया है।

नाथद्वारा रेंजर देवेंद्र पुरोहित ने बताया कि पकड़ा गया नर लेपर्ड 10 से 12 साल की उम्र का है जो कि अब शिकार करने में सक्षम नहीं है। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि पकड़ा गया लेपर्ड आदमखोर लेपर्ड ही है, ये जांच का विषय है।

वन विभाग की टीमों को किया गया तैनात

पुरोहित ने बताया कि मासूम बच्चे के शिकार की घटना के बाद डीएफओ सुदर्शन शर्मा के निर्देशन में वन विभाग की टीमों की गोड़वा गांव में तैनाती की गई। लेपर्ड के मूवमेंट व पकड़ने के लिए 3 अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए गए। लेपर्ड के मूवमेंट को देखने के लिए 6 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। लेपर्ड के आवाजाही वाले रास्तों पर पिंजरे रखे गए। वही सीसीटीवी कैमरे गोड़वा गांव के घटना स्थल वाले मकान के ऊपर व आसपास में लगाए गए, जिससे क्षेत्र में लेपर्ड की संख्या व आवाजाही का पता चल सके।

वही रात के समय हिंसक जानवर के मूवमेंट को लेकर 2 ट्रेंकुलाइज टीमों को भी गुरूवार को रात के समय तैनात किया गया। इसमें एक टीम को मकान के ऊपर बैठाया व दूसरी टीम को वाटर हॉल के पास बैठाया। उदयपुर की ट्रेंकुलाइज टीम इंचार्ज गजेन्द्र सिंह रावत के निर्देशन में द्वारिकाधीश तैनात रहे। राजसमंद की टीम विनोद तंवर के निर्देशन में सुरेंद्र सिंह शक्तावत तैनात रहे। गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में भी वन विभाग की टीमों ने गश्त की। पिंजरे में बकरा बांधा था, सुबह लेपर्ड मिला रेंजर पुरोहित ने बताया कि घटना स्थल के आसपास करीब 3 पिंजरे लगाए, जिसमें घटना से आधा किलोमीटर दूर रास्ते में एक बड़ा पिंजरा लगाया। इसमे चारे के रूप में एक बकरा बांधा गया। शुक्रवार को सुबह करीब 5 बजे जब वन कर्मियों ने जाकर देखा तो पिंजरे में लेपर्ड दिखाई दिया गया, जिसके बाद मौके पर राजसमंद से डीएफओ भी पहुंचे। इसके बाद लेपर्ड को छोटे पिंजरे में शिफ्ट कर उदयपुर वन विभाग भेजा गया। इस दौरान डीएफओ सुदर्शन शर्मा, नाथद्वारा रेंजर देवेंद्र पुरोहित, वनपाल जीवन सिंह, नंदूलाल गमेती व गश्ती दल राजसमंद व उदयपुर मौजूद रहा।

पीड़ित परिवार को मिलेगी 5 लाख की सहायता

डीएफओ शर्मा ने बताया कि इस घटना के बाद बच्चे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी विभाग को मिल गई है। अब पीड़ित परिवार को 5 लाख रूपए की सहायता राशि के लिए विभाग को फाइल भेजी जाएंगी।

लेपर्ड पकड़ने के बाद कुछ राहत

वन विभाग के पिंजरे में लेपर्ड के कैद होने के बाद क्षेत्र में कुछ राहत जरूर हुई, लेकिन ये स्पष्ट नहीं हो पाया कि पकड़ा गया लेपर्ड आदमखोर ही है। इसके लिए विभाग की टीमें कुछ दिन और गांव में मॉनिटरिंग करेंगी। विभाग इसकी जांच कर रहा है।

4 महीने की गर्भवती का शव फंदे से लटका मिला:दोनों हाथ की नस कटी हुई थीं; 6 महीने पहले नाता प्रथा से हुई थी शादी

24 न्यूज अपडेट

देवली (टोंक). टोंक जिले के देवली में 4 महीने की गर्भवती का शव फंदे से लटका मिला। उसके दोनों हाथों की नसें कटी हुई थीं। कमरे में खून भी बिखरा हुआ था। मृतका के पिता ने ससुराल वालों पर मारपीट कर हत्या का आरोप लगाया है। घटना दूनी थाना इलाके के राजमहल गांव में शुक्रवार सुबह 9 बजे की है। डीएसपी रामसिंह जाट ने बताया- स्वामी का बास चाकसू निवासी ममता लोधा (32) की छह महीने पहले राजमहल गांव के नंद किशोर लोधा (29) से नाता प्रथा से शादी हुई थी। ममता 4 महीने की गर्भवती थी। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि ममता ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि ममता के दोनों हाथ की नस कटी हुई है और शव साड़ी के फंदे से लटका हुआ है। कमरे में खून भी बिखरा हुआ था। मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर टोंक से FSL टीम व देवली की MIU टीम पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को दूनी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। चाकसू से परिजन के आने के बाद पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। फिलहाल मामले का खुलासा नहीं हो पाया है।

पिता बोले- पति, सास और ससुर ने मार डाला

दूनी थाना प्रभारी सरवर खान ने बताया- ममता के पिता किशन लाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें उन्होंने बताया कि बेटी की नवंबर 2023 में शादी की थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही ममता के पति नंदकिशोर, ससुर कैलाश चंद और सास संतोष देवी दहेज की मांग करने लगे थे। मांग पूरी नहीं करने पर उसे प्रताड़ित करते थे। उन्होंने गुरुवार रात को मारपीट कर ममता की हत्या कर दी। घटना को छुपाने के लिए शव फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया है। नंदकिशोर खेती का काम करता है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर प्रशासन की कार्रवाई:दुकानों से तंबाकू उत्पाद जब्त कर नष्ट किए; चालान भी बनाए

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. बांसवाड़ा जिले में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष में शुक्रवार चिकित्सा विभाग और नगर परिषद एक्शन मोड में दिखे। टीम ने एक साथ शहर के कई प्रमुख मार्गों पर दुकानों में दबिश देकर तंबाकू, गुटखा आदि जब्त किए और उन्हें मौके पर ही नष्ट किया। इस कार्यवाही के दौरान कुछ दुकानदारों ने खुद ही तंबाकू उत्पाद की बिक्री करना बंद कर दिया। किसी ने आज ड्राई डे मानकर प्रतिष्ठान बंद रखे। जो दुकानदार आदेश के बाद भी बिक्री करते दिखे उनके चालान काटकर सामान भी जब्त किया।

नगर परिषद के अनुसार शहर में महज दो घंटों में 40-50 हजार के गुटखा और तंबाकू को जब्त कर नष्ट किया जा चुका है।

चिकित्सा विभाग से डॉ हेमलता जैन ने बताया कि यह कार्यवाही राज्य सरकार के आदेश के अनुसार की गई। आगामी 21 जून तक एक अभियान के रूप में नियमित शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए जिले के ब्लॉक स्तर और सीएचसी प्रभारी सहित विभिन्न विभागों को निर्देश दिए जा चुके हैं।

मैग्नस हॉस्पिटल की लापरवाही : खराब हो गई बच्चे की आंत, बड़े अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा, पिता बोले-मुझे न्याय दिलाओ

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। मैग्नस अस्पताल की लापरवाही से वकील योगेश जोशी के बच्चे की आंखें चली गईं थी। खूब हंगामे के बाद आखिरकार जिला प्रशासन को गोयल साहब के दबाव को दरकिनार करते हुए जांच कमेटी बिठानी पड़ी और जांच शुरू हो गई। अब इसी अस्पताल का एक और मामला सामने आया है जिसमें पिता का कहना है कि डाक्टर की लापरवाही से बच्चे की आंतें चली गईं, वो जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। मैंग्नस अस्पताल का 2 लाख 34 हजार का बिल भरने के बाद भी हाथ लगी मायूसी। आंखों में आंसू लिए अपने नन्हें से जिगर के टुकड़े को वे एमबी अस्पताल लेकर आए और आज 1 महीना 4 दिन बाद पिता की हालत ये है कि भूखे-प्यासे रह कर चौबीस घंटे बच्चे के पास ही खड़े हैं। उम्मीदें पथरा गईं हैं, सूझ ही नहीं रहा है कि आखिर करें तो क्या करें। अस्पताल में खड़े-खड़े पांव सूज गए हैं। डाक्टरों का कहना है कि इस बच्चे की आंतें खत्म हो चुकी हैं। पहले दिन जिस खुले और खिले, जिंदगी की उम्मीदों से भरपूर जिस बच्चे को देखा था, अब उसका चेहरा धीरे-धीरे मुरझा रहा है, वजन लगातार कम होता जा रहा है। हाथ में लेने से डरता हूं, हाथ कांपने लगते हैं। पिता कहते हैं- यह सब हुआ है मैग्नस अस्पताल के डाक्टर की लापरवाही से। आज 24 न्यूज अपडेट ने उनका दुख जाना जो हर किसी के दिल को द्रवित कर देने वाला है। बच्चे के पिता मोहम्मद शहादत हुसैन ने बताया कि 22 अप्रेल को उनकी पत्नी के ऑपरेशन से डिलीवरी मैग्नस हॉस्पिटल में हुई। दो बेटियों के बाद बच्चे का जन्म होते ही खुशियां छा गईं, डाक्टर ने बुलाकर दिखाया व कहा कि बच्चा कंप्लीट है। मैंने फोटो लिया, बच्चा स्वस्थ था। डाक्टर ने कहा कि आईसीयू में ले जा रहा हूं। क्लीन करके ऑक्सीजन चेक करके वापस वार्ड में शिफ्ट कर दूंगा। दूसरे दिन बच्चो के डाक्टर मनोज अग्रवाल ने कहा कि बच्चा कंप्लीट है, आज भी उसको आईसीयू में ही रहने दो। फिर मैंने सोचा कि बच्चे को रहने दो, दो चार दिन में छुट्टी मिल जाएगी। चार दिन बाद डॉक्टर मनोज अग्रवाल ने बुलाकर कहा कि बच्चे के पेट में इंफेक्शन है व 12 घंटे के लिए ट्रीटमेंट बंद कर दिया हैं। चौबीस घंटे बाद भी डाक्टर को समझ ही नहीं आया व कहा कि पेट फूल रहा है। उसके बाद पूछा कि क्या आगे करना है तो उन्होंने कहा कि आप देख लो कहीं पर ले जाना चाहते हो तो ले जाओ। मैंने बाल चिकिल्सालय में संपर्क किया और पेपर दिखाए तो कहा कि इसे ले आओ । यहां लाकर 27 अप्रेल को भर्ती करवाया व अब तक बच्चा हॉस्पिटल में है। यहां बता रहे हैं कि बच्चे की आंतें खत्म हो गई है, सीरियस है। अब मैं कहां जाउं, किससे गुहार करूं। कल सीएमएचओ व वरिष्ठ डाक्टरों के पास गया था सुनवाई में। उन्होंने कार्रवाई का आश्वान दिया। एक महीने चार दिन से मैं परेशान हूं, बच्चे के पास भूखे-प्यासे रह रहा हूं। मेरा पैर सूज जाता है खडे खड़े। टेंशन-टेंशन में खाना भी नहीं खाता हूं। अस्पताल में वाइफ का ऑपरेशन सही हुआ। डाक्टर मनोज अग्रवाल ने बच्चे के साथ लापरवाही की। मेरा मैंग्नस अस्पताल का बिल 2 लाख 34 हजार

का हुआ। मैं इंसाफ चाहता हू। मेरी दो बच्चियां हैं, ये लास्ट सीजेरियन था। कल मैं एसपी साहब गया था, कलेक्टर से भी मिलकर आया। जांच चल रही है। बता रहे हैं कि मैग्नस अस्पताल में 80 परसेंट सीजेरियन हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जब उनका परिवार न्यूक्लियर फैमिली है। जब मैग्नस अस्पताल की थाने में शिकायत करने जाना था तो बाल चिकित्सालय के आईसीयू में पड़ोस की बेड वाले बच्चे की रिश्तेदार को अपने बच्चे की जिम्मेदारी सौंप कर सुखेर थाने गए, वहां पर चार घंटे बिठाए रखा। उसके बाद एप्लीकेशन व डाक्टयूमेंट लेकर कहा कि हम देखते हैं। थानों में ऐसा संवेदनहीन बर्ताव आखिर क्यों? कलेक्टर साहब से सवाल-क्या कूड़ेदान में जा रही हैं सारी शिकायतें? इस मामले में भी पुलिस प्रशासन, अस्पताल की वहीं असंवेदनशीलता है जो वकील साहब के बेटे के मामले में दिखाई दी थी। इस बच्चे का मामला भी शायद कभी सामने नहीं आता अगर वकील साहब बार एसोसिएशन को साथ लेकर लड़ाई नहीं लड़ते। आपको बता दें कि वकील साहब के मामले में जिला प्रशासन दो महीने तक उनकी शिकायत पर कुंडली मारकर बैठा रहा। सुखेर थाने से आश्वासनों की गोलियां दीं मगर किसी ने उनक एप्लीकेशन आगे तक नहीं बढ़ाई। कोई कमेटी नहीं बनी। क्योंकि यह सब कमाल था गोयल साहब के दबाव का। लेकिन जब बार एसोसिएशन के माननीय सदस्यों ने प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया तो वहीं प्रशासन गोयल साहब के अट्रेक्टशन मोड से बाहर निकल कर एक्शन मोड में आ गया। कमेटी बन गई, जांच शुरू हो गई। पीड़ितों को बुला कर बयान लिए गए। इस मामले के साथ गरीब नवाज कॉलोनी रूप सागर रोड निवासी मोहम्मद शहादत हुसैन के बेटे के मामले की भी जांच शुरू हो गई। इसी डर से कि कहीं पर वकील नया मोर्चा खोल कर प्रशासनिक लापरवाही को एक्सपोज नहीं कर दें। कहीं पूरे शहर को यह पता नहीं चल जाए कि जो ज्ञापन और फरियादें वे प्रशासन के पास पहुंचाते हैं दरअसल वो आगे नहीं बढ़ाई जातीं बल्कि आश्वासनों के डस्टबीन के हवाले कर दी जाती है। उस पर तब तक कार्रवाई नहीं होती, जब तक कोई वजन नहीं पड़ता। दोनों मामलों ने शहर के नेताओं को भी एक्सपोज किया है जिनके पास चुनाव प्रचार के लिए घर-घर जाकर हाथ जोड़ने का समय है मगर इतने गंभीर मामले में एक बयान तक जारी करने से डर रहे हैं, बच्चों से मिलना व परिवारों के साथ उम्मीदों के दो शब्द बांटना तो बहुत दूर की बात है।

नोट : इस खबर में अस्पताल का पक्ष आने के बाद अलग से समाचार बना कर बताया जाएगा।

डोडा-चूरा के चक्कर में कार भगाई, जीजा-साले ने जान गंवाई

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के मांडल थाना इलाके में डोडा-चूरा तस्करी कर रहे दो लोगों की ओवर स्पीड कार ट्रक में घुस गई। हादसे में दोनों की मौत हो गई। दोनो रिश्ते में जीजा-साले लगते हैं। बुधवार को सुबह करीब 6 बजे यह हादसा हुआ। हरिपुरा चौराहे पर नेशनल हाईवे पुलिया पर भीषण सड़क हादसा हुआ। कार में डोडा-चूरा था और दोनों मृतक तस्कर बताए जा रहे है। डोडा-चूरा भरकर कार को ओवर स्पीड पर भगा रहे थे। ओवर टेक के चक्कर में कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से घुस गई। स्विफ्ट बुरी तरह से चकनाचूर हो गई। एंबुलेंस से दोनों तस्करों के शवों को मांडल हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भिजवाया। कार में 91 किलो डोडा-चूरा भरा मिला। थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि कसा पट्टियों से भरे ट्रक में घुस गई। मृतकों की पहचान ब्यावर निवासी मांगीलाल देवासी और भेराराम देवासी के रूप में हुई है। ये आपस में जीजा-साले हैं। बताया जा रहा है कि कार ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। इधर, ट्रक ड्राइवर चिताम्बा निवासी सुरेश पिता प्यारेलाल सालवी ने बताया कि वो पट्टियां भर कर बदनोर जा रहा था। पुलिया पर तेज धमाका हुआ तो उसे लगा कि ट्रक का टायर फटा है। ट्रक को रोका और नीचे उतरकर देखा तो पीछे से कार ट्रक में घुसी हुई थी।

बीगोद में सट्टा खेलते 11 लोग पकड़े, 70 हजार और 11 मोबाइल जब्त

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के बीगोद में पुलिस ने ताशपत्ती पर जुआ खेलते और सट्टा दांव लगाते 11 जुआरियों को पकड़ा है। उनसे पुलिस ने 70 हजार 635 रुपए और 11 मोबाइल बरामद किए हैं। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि दांव लगाकर अवैध रूप से ताशपत्ती पर जुआ सट्टा खेलने की सूचना थी। दबिश देकर 11 लोगों को गिरफ्तार किया उनके पास से जुए की राशि और मोबाइल भी जब्त किए। पुलिस ने मोहम्मद सिराज पुत्र गुलाम रसूल बीगोद, घनश्याम पुत्र लादू लाल भीलवाड़ा, शहजाद खान पुत्र सिराजुद्दीन पठान भीलवाड़ा, मोहम्मद शाहरुख पुत्र मोहम्मद फरीद बीगोद, अब्दुल बद्दू पुत्र अब्दुल समद , जाकिर पुत्र मोहम्मद हुसैन बीगोद, मोहम्मद यूनुस पुत्र अब्दुल मजीद बीगोद, मोहम्मद जाकिर पुत्र सुभान बीगोद इमरान पुत्र फारूक अंसारी गुल नगरी भीलवाड़ा, मोहम्मद बिलाल पुत्र मोहम्मद यूसुफ और बिगोद साजिद पुत्र गुलाम बीगोद को गिरफ्तार किया।

नहर में डूबे बच्चे का शव 12 किमी दूर मिला:पानी कम होने पर ग्रामीणों ने देखी डेडबॉडी; बहता हुआ सब-माइनर तक पहुंचा

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. बांसवाड़ा में गुरुवार को नहर में डूबे बच्चे का शव 12 किलोमीटर दूर मिला। घटना घाटोल थाना क्षेत्र के चड़ला गांव की है। यहां से गुजर रही माही की आरएमसी-राइट मैन केनाल में गुरुवार को संजय नाम का बच्चा डूब गया था। शुक्रवार सुबह घटना स्थल से 12 किलोमीटर दूर नरवाली वितरिका में उसका शव मिला। बच्चा बहता हुआ मुख्य नहर से सब माइनर तक पहुंच गया। जब सुबह ग्रामीण जागे और काम पर लौट रहे थे तो उन्होंने नहर में बच्चे को देखा। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना देकर बुलाया और टीम मौके पर पहुंची। एसएचओ प्रवीणसिंह भी मौके पर पहुंचे और मौका पर्चा बनाया। इधर मृतक संजय के परिजन भी मौके पर आ गए थे। पुलिस शव के पोस्टमॉर्टम करने के लिए जिला मुख्यालय पर एमजी अस्पताल लेकर पहुंची।

पीएम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। एसएचओ ने बताया कि बच्चा 5वीं क्लास में पढता था। उसके पिता शांतिलाल किसान हैं और मां गृहिणी है।

गौरतलब है कि 12 साल का संजय गुरुवार शाम का मां लशिता के साथ नहर पर गया था। मां कपड़े धो रही थी और संजय पास में बैठा नहा रहा था। तभी उसका पैर फिसला और यह हादसा हो गया। लसिता चिल्लाई तो आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चे को बचाने की कोशिश की। बाद में पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने अंधेरा होने तक रेस्क्यू किया, लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण उन्हें भी निराश लौटना पड़ा।

सागवाड़ा पहुंचाया जा रहा है पानी

माही की केनाल में पानी का वितरण वैसे तो फरवरी माह में बंद हो जाता है। लेकिन इन दिनों सागवाड़ा में बनी भीखाभाई केनाल के माध्यम से पानी को डूंगरपुर जिले में पहुंचाया जा रहा है। इसलिए नहर में पानी छोड़ा गया है।

फूड पॉइजनिंग से मौत, चार दिन से नहीं उठाया शव:परिवार ने मौताणा के नाम पर मांगे 5 लाख रुपए, सगाई के खाने से बिगड़ी थी तबियत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. चार दिन पहले फूड पॉइजनिंग से महिला सहित तीन लोगों की मौत के मामले में परिजनों ने अब तक शव नहीं उठाए है। सामने आया है कि परिजन मौताणा प्रथा के तहत रुपए की मांग कर रहे है। इसके लेकर पुलिस प्रशासन और गांव के प्रमुख पंचों के बीच समझाइश का दौर जारी है। उदयपुर के कोटडा के सावन क्यारा गांव में सोमवार रात चतरा पुत्र पून पारगी के बेटे की सगाई का कार्यक्रम था। खाने के बाद रिश्तेदार घर गए तो तबियत बिगड़ गई। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान वधु पक्ष के बोरड़ी खुर्द निवासी बाबू (50) पुत्र चेना, बोदला वाड़ा निवासी मसरू(40) पुत्र जोवना और वर पक्ष से एक महिला सावना क्यारा निवासी अमियादेवी (35) पत्नी दीवा पारगी की मौत हो गई थी। तीनों के शव कोटडा हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखे है। पोस्टमार्टम भी हो चुका है लेकिन शुक्रवार दोपहर तक परिजन शव लेने नहीं पहुंचे। मौताणा मिलने पर उठाएंग शव सामने आया है कि मृतकों के परिजनों ने मौताणा की मांग की है। एक शव पर 5 लाख रुपए मांग रहे है। मौताणा की रकम नहीं मिलने तक शव उठाने से मना कर दिया है। कोटड़ा थानाधिकरी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सामाजिक कारण की वजह से घटना के बाद से परिजन शव लेने नहीं आए हैं। परिजन और गांव के प्रमुख लोगों के बीच बातचीत चल रही है।

नॉनवेज और देसी शराब पीने से पड़े थे बीमार

कोटड़ा के सावन क्यारा में बोरडी कला में रहने वाले वधू पक्ष के लालू पुत्र सवा गमार करीब 100 रिश्तेदारों के साथ गए थे। रात में खाने के बाद रिश्तेदार घर लौटे। तब तबियत खराब होकर उल्टी होने लगी। ऐसे में सभी कोटड़ा हॉस्पिटल पहुंचे। सीएमएचओ डॉ. शंकर बामणिया ने कहा था कि सगाई कार्यक्रम में नॉनवेज और देसी शराब पीने से तबीयत बिगड़ी थी, जिससे तीन की मौत हो गई थी। वहीं कुल 25 से ज्यादा लोग बीमार हुए थे।

24 न्यूज अपटेड

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें

YouTube

24 NEWS UPDATE

हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।